© 2015 IJSRSET | Volume 1 | Issue 5 | Print ISSN : 2395-1990 | Online ISSN : 2394-4099

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के कोषों का प्रयोग और विनियोजन जमाओं एवं ऋणों का 1987 से 1998 की अवधि के सन्दर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ शिव पूजन यादव

एसोसिएट प्रोफेसर वाणिज्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, तिलहर शाहजहांपुर

शोध सारांश- बैंक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्थाएं हैं वे छोटी छोटी बचतो को जनता से एकत्रित करके ऐसे क्षेत्रों को वित्तीय संसाधन प्रदान करती हैं जहां उनकी आवश्यकता होती है इसलिए बैंकों को पूंजी अथवा मुद्रा का व्यापारी कहा जाता है किसी भी राज्य व्यापारिक उपक्रम की भांति एक बैंकिंग उपक्रम का भी उद्देश्य लाभ कमाना होता है । परंतु बैंकिंग उपक्रम के लाभ कमाने के साथ उसका सामाजिक उत्तरदायित्व जुड़ा होता है ऐसे बैंकिंग उपक्रम जिनका स्वामित्व सार्वजनिक होता है उनका उत्तरदायित्व और अधिक हो जाता है कि वे समाज व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को और अधिक निष्ठा से संपादित करें परंतु यह सब होते हुए भी किसी बैंक के कार्य क्षमता का मापदंड उसकी लाभदायकता ही है । अत: बैंक द्वारा प्राप्त संसाधनों को इसी प्रकार नियोजित किया जाना आवश्यक है जिससे वे लाभदायक हो सके । बैंक द्वारा प्राप्त निधियों और उनके विभिन्न निवेशो में समन्वय स्थापित किया जाता है किसी बैंक की प्राप्त निधियां उसके दायित्व और निवेश उसकी संपत्तियां होती हैं । प्रस्तुत लेख इसी सन्दर्भ में गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के कोषों का प्रयोग और विनियोजन जमाओं एवं ऋणों का 1987 से 1998 की अवधि के सन्दर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन करता है और इन मूलभूत संकेतको के माध्यम से बैंको के निष्पादन के मूल्याकन का एक संक्षिप्त प्रयास करता है ।

मुख्य शब्द- गोरखपुर, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कोष, विनियोजन, जमा, ऋण।

INTRODUCTION

शोध विधि- प्रस्तुत अध्ययन में मुख्य रूप से द्वितीयक समंकों का उपयोग किया गया है । इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के विभिन्न शाखा प्रबन्धकों एवं कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क करके उनका मन जानने का प्रयास किया गया है । द्वितीयक संमक को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा प्रमाणित आर्थिक चिट्ठे एवं लाभ हानि खाते से प्राप्त किया गया है। इसी के साथ ही आर बी आई. द्वारा समय समय पर निर्गत किए गए निर्देशों तथ उसमें प्रमाणित आँकड़ों का भी उपयोग किया गया है। इस अध्ययन की सीमा का मुख्य आधार आलोच्य अवधि है जिसके आधार पर निष्कर्ष प्रतिपादित किये गए है

अध्ययन की उपयोगिता - वर्तमान अंध्ययन क्षे. ग्रा. बैंक के नियोजन एवं प्रबन्ध में सहायक होगा। साथ ही वित्तीय प्रबन्धन एंव कुशलता में वृद्धि होगी । इसकी कुशलता में वृद्धि से क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में पर्याप्त मात्रा में वित्त का प्रवाह होगा तथा उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि की जा सकती है।

बैंक निधियो के स्त्रोत :- बैंक निधियो को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है बैंक की स्वयं के कोष एवं उधार लिए गए कोष । बैंक के स्वयं के कोषों में पूंजी संचय निधि एवं अवितरित लाभ सम्मिलित किया जाता है ।उधार ली गई निधियों में जनता से प्राप्त निक्षेप, अन्य बैंकों से लिए गए ऋण, संग्रह के लिए प्राप्त बिलों को सम्मिलित किया जाता है व्यवसायिक बैंक अपने सहयोगी बैंकों गैर बैंकिंग संस्थाओं तथा रिजर्व बैंक से ऋण प्राप्त करते हैं यह बैंक अपने सहयोगी बैंकों से सामान्यता

अल्प अवधि के लिए ऋण प्राप्त करते हैं गैर बैंकिंग संस्थाएं भारतीय औद्योगिक वित्त निगम औद्योगिक विकास बैंक यूनिट ट्रस्ट जीवन बीमा निगम आदि भी व्यावसायिक बैंकों को ऋण प्रदान करते हैं रिजर्व बैंक प्रत्यक्ष ऋण प्रदान करके अथवा पुन: कटौती की सुविधा प्रदान करके व्यवसायिक बैंकों को निधि प्रदान करता है गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक गोरखपुर को नाबार्ड एवं अपने प्रायोजक भारतीय स्टेट बैंक से ऋण प्राप्त होता है ।

तालिका संख्या 1 में गोरखपुर बेंक की निधियों को देखने से पता चलता है कुल संसाधनों में सात गुना संचित कोशो में 17 गुना जमाओं में 7 गुना ऋण में दो गुना वृद्धि हुई है. इसका अर्थ यह है की बैंक के संसाधनों जमा व और संचित कोष की तुलना में बैंक ऋण में वृद्धि कम हुई है संभवता इसका कारन ऋण की कम वसूली व राजनेतिक कारणों से कर्जमाफी के कारण बैंक की लाभप्रदता प्रभावित होना तथा उसके डूबते हुए ऋण में इजाफा है

तालिका सं. 1.

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की निधियां

वर्ष	कुल संसाधन	चुकता पूंजी	संचित कोष	जमाये	ऋण(उधार)	अन्य दायित्व एवं प्रावधान
1987	11658.65	25.00	554.26	7875.72	2119.08	1084.57
1988-89	16680.20	25.00	855.77	10885.07	3224.32	1490.02
1989-90	21576.85	50.00	1202.56	14611.64	3917.16	1795.49
1990-91	26084.58	50.00	1607.95	17894.73	4250.66	2281.24
1991-92	28541.17	50.00	2142.38	19597.0	4293.76	2458.03
1992-93	32765.27	50.00	2879.96	22598.61	4186.33	3050.37
1993-94	38914.51	50.00	3807.54	27089.55	4410.07	4596.48
1994-95	45381.68	96.00	4802.45	30450.20	5036.21	4996.57
1995-96	54066.05	96.25	5840.00	35316.86	5488.27	7324.69
1996-97	62419.87	100.00	7220.16	41991.05	5089.89	8018.77
1997-98	75139.34	100.00	8671.71	52291.97	4417.01	9568.65

तालिका 2 बैंक के नकद कोष पर प्रकाश डालती है जो आलोच्य अवधि में लगभग सात गुना बढे है परन्तु सकल जमा राशी के प्रतिशत के रूप में 1.15 से घटते हुए .66 प्रतिशत हो गए है और सकल जमा राशी के प्रतिशत के रूप में अन्य व्यावसायिक बेंको के चालू खातो में जमा राशि 3.27 प्रतिशत से निरंतर घटते हुए मात्र 1.03 प्रतिशत रह गयी है यानि अप्रत्यक्ष रूप से इन बैंको की व्यावसायिक बेंको में साख भी कम हुई है

तालिका 2

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में जमाराशि के विरुद्ध रोकड़ अवशेष एवं अन्य बैंको में रोकड़ का प्रतिशत विवरण

वर्ष	जमाराशि (निक्षेप)	सकल जमा राशि के % के रूप में नकद अवशेष	सकल जमा राशि के % के रूप में अन्य व्यावसायिक बैंको के चालू खातो में
1987	7876	1.15	3.27
1988-89	10885	0.70	1.75
1989-90	14611	0.75	1.67
1990-91	17895	0.87	3.12
1991-92	19597	0.53	1.56
1992-1993	22599	0.54	1.57
1993-1994	27090	0.52	1.55
1994-1995	30450	0.55	1.06
1995-1996	35317	0.58	1.16
1996-1997	41991	0.63	1.18
1997-98	52292	0.66	1.03

स्त्रोत : गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के विभिन्न वर्षो का वार्षिक प्रतिवेदन

तालिका सं 2 से स्पष्ट है कि वर्ष 1987 में रोकड़ अवशेष (हाथ में) जमा राशि का 1.15 प्रतिशत है जबकि सामान्य निर्देश इसे 1.5 प्रतिशत रखने का है । निर्धारित निर्देश 5 प्रतिशत के विरुद्ध कैश एट बैंक कुल जमा राशि 3.27 प्रतिशत ही है । उसके बाद के वर्षो में किसी भी वर्ष उपरोक्त प्रतिशत निर्देश के अनुसार नहीं है और ये बैंक की अच्छी प्रबंध का परिचायक है इसका अर्थ है कि निष्क्रिय राशि की सीमा को न्यूनतम से नीचे रखने में बैंक सफल रहा है यही बात नकद कोशो के लिए भी लागू है

तालिका नं 3

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की जमा के सापेक्ष अलाभकार तरलता

(अलाभकार विनियोग) **(रु लाख में)**

वर्ष	कुल जमा	हाथ में रोकड़	रिजर्व बैंक में अवशेष	अन्य बैंक के तरलता	कुल अलाभकार चालू खातो में	कुल तरलता का जमा से %
1987	7875	90.45	230.17	251	572	7.26
1988-89	11085	77.59	394.06	337	809	7.30
1989-90	14611	100	473	378	951	6.51

1990-91	17895	157	559	661	1377	7.69
1991-92	16597	206	635	873	1714	8.74
1992-93	22599	178	696	865	1739	7.69
1993-94	27090	214	831	872	1917	7.07
1994-95	30450	353	1011	615	1979	6.49
1995-96	35317	233	1151	814	2198	6.22
1996-97	41991	441	1376	1167	2984	6.97
1997-98	52292	495	1739	1173	3407	6.51

स्त्रोत : गोरखपुर क्षेत्री ग्रामीण बैंक के विभिन्न वर्षो का वार्षिक प्रतिवेदन ।

तालिका 3 से ज्ञात होता है कि बैंक की कुल जमा से सापेक्ष अलाभकार तरलता का भाग वर्ष 1987 में 7.26 प्रतिशत, 88-89 में 7.30 प्रतिशत रही अगले वर्ष कम होकर यह भाग 6.51 प्रतिशत था । आगे के वर्षो में बढ़कर वर्ष 90-91 में 7.69 प्रतिशत, 91-92 में 8.74 प्रतिशत भाग था । बाद के वर्षो में यह भाग औसतन 6.5 प्रतिशत रहा । इसमें बाद के 3 वर्षो में केन्द्रीय बैंक में जमा का भाग सार्वधिक रहा वर्ष 91-92 से 93-94 तक अन्य बैंको में चालू खातो में अवशेष अधिक रहा ।

तालिका सं. 4

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के लाभदायक विनियोग (निवेश)

कुल लाभकार विनियोग में

वर्ष	कुल लाभकर विनियोग	मांग एवं अल्प सूचना पर प्राप्य धन	विनियोग	ऋण एवं अग्रिम	मांग एवं अल्प सूचना पर प्राप्य धन का प्रतिशत	विनियोग का प्रतिशत	ऋण एवं अग्रिम का प्रतिशत
1987	10830.76	7362.90	-	3467.86	67.98	-	32.02
1988-89	15616.05	11081.00	-	4535.05	70.96	-	29.04
1989-90	20357	14834.00	-	5523.36	72.87	-	27.13
1990-91	23820.37	17870.00	-	5950.37	75.02	-	24.98
1991-92	25966.97	16020.00	4122.00	5735.97	61.69	16.22	22.09
1992-93	30311.89	22918.00	1563.95	5829.24	75.61	5.16	19.23
1993-94	36426.36	27812.10	2000.00	6614.26	76.35	5.49	18.16
1994-95	42437.16	25859.19	8050.00	82527.97	60.94	18.97	20.09
1995-96	49109.57	28849.75	10549.72	9710.10	58.75	21.48	19.77
1996-97	56474.02	31585.00	13527.58	11361.44	55.93	23.95	20.12
1997-98	67571.87	40467.63	14446.97	12657.27	59.88	21.38	18.73

स्त्रोत : गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के विभिन्न वर्षो का प्रतिवेदन ।

तालिका सं 3.6 से स्पष्ट होता है कि बैंक के लाभदायक विनियोगो में मांग एवं अल्प सूचना पर प्राप्त धन की भागीदारी सार्वधिक रही है । शुरू के चार वर्षो में बैंक का कोई वाह्य विनियोग नहीं था । वर्ष 1987 में मांग एवं अल्प सूचना में धन 67.98 प्रतिशत विनियोजित था जो बढ़कर 90-91 में 75 प्रतिशत हो गया । वर्ष 91-92 में इसमें कमी हुई तथा यह 61.69 प्रतिशत रह गया । पुन: इसमें वृद्धि की प्रवृत्ति रही वर्ष 92-93एवं 93-94 में यह क्रमश: 75.61 एवं 76.35 प्रतिशत रहा बाद के 3 वर्षो में यह 60.84,58.75,55.93 प्रतिशत था । वर्ष 91-92 में बैंक का बाह्य क्षेत्र में विनियोग 16.22 प्रतिशत था । बाद के दो वर्षो में इसमें कमी हुई जो 5.16 पर आ गया परन्तु बाद में 97 आते आते ये बढ़कर 24 प्रतिशत पर पहुच गया 98 में ये 21.३ प्रतिशत रहा ऋण एवं अग्रिम का प्रतिशत आलोच्य अवधि में लाभकर विनोयोगो के 32 प्रतिशत से घटकर 18 फ़ीसदी हो गया है

तालिका 5 से स्पष्ट है मांग एवं अल्पसूचना पर देय ऋण कुल जमा के प्रतिशत के रूप में महत्वपूर्ण रूप से कम हुआ है यानि की पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के लिए तरलता की कोई समस्या नहीं है.

तालिका नं. 5

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के मांग एवं अल्प सूचना पर देय धन का विवरण

वर्ष	मांग एवं अल्प सूचना पर देयऋण	कुल जमा	मांग एवं अल्प सूचना पर देय ऋण का कुल जमा से %
1987	7363	7876	93.50
1988-89	11081	10885	101.80
1989-90	14834	14611	101.49
1990-91	17870	17895	98.86
1991-92	16020	19597	81.75
1992-93	22918	22599	101.41
1993-94	27812	27090	102.66
1994-95	25859	30450	85.04
1995-96	28850	35317	81.68
1996-97	31585	41991	75.22
1997-98	40468	52292	77.38

स्रोत : गो. क्षे. ग्रा. बैंक के वर्षी प्रतिवेदन ।

तालिका 5 से स्पष्ट है कि गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की जमा पूर्ण सुरक्षित है । कभी भी ग्राहक अपना धन बापस ले सकते है इससे बैंक के दूसरे साधनों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा । शुरू में यह प्रतिशत बढ़ा है वर्ष 87 में 93.50 प्रतिशत 89 में 100 प्रतिशत एवं वर्ष 90 में यह 101.49 प्रतिशत रहा उसके बाद के दो वर्षो में कमी हुई है । वर्ष 91-92 में यह 9886 एवं 92-93 में 81.75 प्रतिशत था इसके बाद पुन: इसकी भागीदारी में वृद्धि हुई है जो 1992-93 में 101.41 एवं वर्ष 1993-94 में 106.77 प्रतिशत तक पहुच गयी । बाद के वर्षो में बैंक द्वारा दुसरे क्षेत्रो में भी विनियोजन करने से वर्ष 94-95 से लेकर 96-97 तक उसके प्रतिशत में कमी आई है जो क्रमश: 85.05 प्रतिशत 81.68 प्रतिशत एवं 75.22 व प्रतिशत रहा । वर्ष 97-98 में यह प्रतिशत 77.38 प्रतिशत है ।

तालिका सं. 6

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में अतिशेष और मांग तथा अल्पसूचना पर प्राप्य धन का विवरण

वर्ष	अन्य बैंको में अतिशेष	मांग एवं अल्प सूचना पर धन	कुल संपत्तिया	बैंक में अतिशेष का कुल संपत्तियो पर %	मांग एवं अल्प धन का कुल संपत्तियों पर%
1987	250.77	7362.90	11658.65	2.15	61.15
1988-89	336.85	11081.00	16680.20	3.03	66.43
1989-90	378.47	14834.0	21576.85	2.55	68.75
1990-91	660.80	17870.00	26084.58	3.05	56.15
1991-92	873.35	16020.00	28541.178	3.05	56.15
1992-93	865.48	22918.00	32765.27	3.77	69.94
1993-94	871.69	27812.10	38914.51	3.13	71.46
1994-95	615.86	25859.19	45381.68	2.37	59.60
1995-96	813.54	28849.75	54066.05	1.50	53.36
1996-97	167.05	31585.00	62419.87	1.86	50.60
1997-98	1173.46	40467.63	75139.34	1.56	53.86

स्त्रोत : गो. क्षे. ग्रा. बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन (लाख रु में)

तालिका सं. 6 की सारणी से ज्ञात होता है कि कुल संपत्तियों में बैंक में नकद रोकड़ की मात्रा नगण्य है । विगत 10 वर्षो में रोकड अधिकतम कुल सम्पत्ति का 3.77 एवं न्यूनतम 1.55 प्रतिशत रहा है । रोकड़ एक गैर लाभदायक सम्पत्ति है इस दृष्टि से बैंक का निधि प्रबन्धन मजबूत है । एक मांग एवं अल्प सूचना पर राशि में जमा का प्रतिशत अधिक है किन्तु गोरखपुर क्षेत्रीय ग्राम बैंक नियमो से बद्ध है एन. डी. आर. योजना में जमा करने के लिए शुरू के वर्षो में अल्प सूचना राशि का प्रतिशत 63 से 68 प्रतिशत के बीच रहा । वर्ष 92 में इसमें कमी हुई है । वर्ष 1997 में यह प्रतिशत 50.60 रहा । वर्ष 97-98 में बैंको के चालू खातो में अवशेष एवं मांग एवं अल्पसंरचना पर प्राप्य धन का प्रतिशत 1.56 एवं 53.86 है।

यदि प्रतिभूतियों में निवेश को देखे तो तालिका 7 इस पर कुछ प्रकाश डालती है गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में किसी भी वर्ष सरकारी प्रतिभूतियो में विनियोजन नहीं है । अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियो में बैंक ने निश्चित आय एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1995 में 4000 लाख रूपए का विनियोजन किया है । बैंक ने ऋण पत्रों में विभिन्न वर्षो में विनियोजन किया है । मुख्य रूप से गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ने अपने प्रायोजक बैंक सहयोग विधि में विनियोजन किया है । इसका कारण सम्भत: बैंक की कम निधियां है और उसका प्रयोग पूर्व निर्धारित है । इसलिए उपरोक्त प्रतिभूतियो में कम विनियोजन है ।

तालिका संख्या 7

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के विनियोग एवं कुल जमा का विवरण

वर्ष	प्रतिभूतियो एवं निधियां में कुल विनियोग	कुल जमा	कुल विनियोग का कुल जमा पर %
1987	7362.00	7875.00	93.48
1988-89	11100.00	10885.00	101.75
1989-90	14834.00	14611.00	101.52
1990-91	17870.00	17895.00	99.86
1991-92	20232.00	19597.00	103.24
1992-93	24482.00	22598.00	108.33
1993-94	29812.00	27090.00	110.04
1994-95	33908	30450	111.35
1995-96	39400	35317.00	111.56
1996-97	45113.00	41991.00	107.43
1997-98	54915.01	52292.00	105.01

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के विनियोगो में प्रथम चार वर्षो में केवल एक ही विनियोग था, यह था प्रायोजक बैंक की एन् डी.आर. योजना में जमा जो कुल जमा का लगभग 100 प्रतिशत रहा है । बाद में वर्षो में बैंक के कुछ अन्य क्षेत्रो में विनियोग करनें से कुल विनियोगो की मातत्रा एवं कुल जमा से प्रतिशत भाग बढ़ा है । तालिका 3.11 से ज्ञात होता हिया कि विनोयोगो का प्रतिशत प्रत्येक वर्ष बढ़ा है । केवल वर्ष 90-01 में यह प्रतिशत 99.86 प्रतिशत था बाकी शेष वर्षो में क्रमिक वृद्धि दृष्टिगत है । वर्ष 1987 में यह प्रतिशत 93.48 प्रतिशत वर्ष 88-89 में 101.75 प्रतिशत वर्ष 89-90 में 101.52 प्रतिशत रहा है । वर्ष 1995-96 में 111.56 प्रतिशत सार्वधिक रहा है, वर्ष 1996-97 में यह प्रतिशत 107.43 प्रतिशत एवं 1997-98 में 105.01 प्रतिशत है ।

तालिका संख्या 8

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समस्त विनियोग एवं कुल संपत्तियों का विवरण

वर्ष	प्रतिभूतियो एवं निधियों में कुल विनियोग	कुल संपत्तिया	विनियोग का कुल संपत्तियों पर प्रतिशत
1987	7362.00	11659.00	63.14
1988-89	11100.00	16680.00	66.43
1989-90	14834.00	21577	68.75
1990-91	17870.00	26085.00	68.50
1991-92	20232.00	28541.00	70.88
1992-93	24482.00	32765.00	74.71
1993-94	29812.00	38915.00	76.60
1994-95	33908.00	45382.00	74.71
1995-96	33908.00	54066.00	72.87

1996-97	45113.00	62420.00	72.27
1997-98	54915.00	75139.00	73.08

प्रतिभूतियों एवं निधियों में विनियोग में सतत वृद्धि हुई है और ये कुल जमाव और कुल संपत्तियों के प्रतिशत के रूप में लगातार बड़ा है उपरोक्त तालिका 8 के अनुसार कुल विनियोग वर्ष 1987 में कुल संपत्तियों का 63.14 प्रतिशत वर्ष 1989 में 66.43 प्रतिशत एवं वर्ष 90 में 68.75 प्रतिशत था । इसी प्रकार क्रमिक वृद्धि के साथ वर्ष 91-92 में यह भागीदारी 70.88 प्रतिशत 92-93 में 74.71 प्रतिशत एवं वर्ष 93-94 में 76.60 प्रतिशत था । इसके बाद वर्ष 94-95 से इसमें कुछ कमी हुई है । यह प्रतिशत 74.71 रह गया । आगे के वर्षो में कम होकर 95-96 में 72.87 एवं 96-97 इ 72.27 प्रतिशत रहा । शुरू के चार वर्षो में बैंक ने केवल प्रायोजक बैंक में ही विनियोजन किया है । किन्तु वर्ष 92 में 500 लाख 93 में 60 लाख 94 में 1500 लाख एवं बंधपत्रों (ऋण पत्रों में) भी विनियोजन हुआ है । वर्ष 1995 में बैंक ने अनुमोदित प्रतिभूतियो में भी रूपए 4000 लाख लगाया है सरकारी प्रतिभूतियो में बैंक द्वारा कोई विनियोजन नहीं हुआ है ।

अग्रिम भी बैंक के लाभकर विनियोजनो का अभिन्न अंग है तालिका 9 9 के अनुसार कुल संसाधनों के प्रतिशत के रूप में अग्रिम घटे है यानि ऋण प्रधान करने की प्रक्रिया धीमी पड़ी है

तालिका 9

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का कुल अग्रिम

वर्ष	कुल अग्रिम	कुल संसाधन	अग्रिम का कुल संसाधन से %
1987	3467.86	11658.65	29.74
1988-89	4535.05	16680.20	27.18
1989-90	5523.36	21576.85	25.59
1990-91	5950.37	26084.58	22.81
1991-92	5735.97	28541.17	20.09
1992-93	5829.94	32765.27	17.19
1993-94	6614.26	38914.51	16.99
1994-95	8527.97	45381.68	18.79
1995-96	9710.10	54066.05	17.95
1996-97	11361.44	62419.87	18.20
1997-89	12657.27	75129.34	16.84

स्त्रोत: गो क्षे. ग्रा. बैंक के विभिन्न वर्षो का वार्षिक प्रतिवेदन ।

तालिका 9 से स्पष्ट होता है कि कुल संपत्तियों में ऋण का भाग लगातार कम होता गया है । बिनियोगो का अन्य क्षेत्र में बढ़ने से सम्भवत: ऋण का भाग कम हुआ है । कुल संपत्तियों में अग्रिम का भाग वर्ष 1987 से 29.7 प्रतिशत था जो घटकर वर्ष 1998 में 27.18 प्रतिशत हो गया । वर्ष 90-91 में लगभग 2 प्रतिशत एवं 91-92 में लगभग 3 प्रतिशत की कमी हुई। ऋण स्वीकृत करते समय बैंक को इस बात का भी पता लगाना आवश्यक है कि ऋण प्राप्त करने वाला व्यक्ति अन्य बैंको से कितना ऋण प्राप्त कर रखा है ।

तालिका 10

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के कुल अग्रिम विवरण (वर्गीकरण कुल अग्रिम में)

वर्ष	मांग पर सदेय उधार	आवधिक उधार	भुनाये गये बिल	कुल अग्रिम	मांग पर संदेय उधार	आवधिक उधार का %	भुनाये गए विल का %
1987	–	–	–	3467.86	–	–	–
1988–89	–	–	–	4535.05	–	–	–
1989–90	1598.15	3225.21	–	5523.36	28.97	71.07	–
1990–91	1654.60	4295.77	–	5950.37	27.80	72.20	–
1991–92	963.31	4907.63	–	5735.97	16.78	83.22	–
1992–93	922.31	4907.63	–	5829.94	18.78	81.22	–
1993–94	2057.24	4557.02	–	6614.26	31.10	68.90	–
1994–95	3118.05	5409.92	–	8527.97	36.56	63.44	–
1995–96	3762.78	5932.36	14.96	9710.0	38.75	61.09	–
1996–97	4417.92	6932.20	1132	11361.44	39.84	60.06	16
1997–98	4677.02	7972.70	7.55	12657.278	36.95	62.98	6

स्त्रोत: गो. क्षे. ग्रा बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन के विभिन्न वर्षो का वर्षी प्रतिवेदन ।

तालिका 10 से स्पष्ट है कि गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के ऋण एवं अग्रिम में विलो की कटौती में राशि का विनियोजन नहीं है । केवल वर्ष 95–96 एवं 96–97 में 14.96 एवं 11.32 लाख रूपए लगे है जो कुल अग्रिम का मात्र 1.6 प्रतिशत एवं 10 प्रतिशत है । कुल अग्रिम में मांग पर उधार अर्थात नकद साख एवं अधिविकर्ष है एवं आवधिक उधार है, जसमे आवधिक उधार का प्रतिशत मांग प्रत्येक वर्ष अधिक रहा है । वर्ष 89–90 में मांग पर उधार का भाग 28.93 से बडकर 1997ऋ98 में36.95 प्रशिशात हो गया है सुरक्षित ऋण देते समय बैंक को ऋणी की साम्यर्थ चरित्र, पूंजी, इमानदारी आदि पर सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए ।तालिका 11 दिखाती है की कुल अग्रिमो में सुरक्षित अग्रिम प्रतिशत के रूप में बड़े है और असुरक्षित अग्रिमो में कमी हुई है

तालिका सं. 11

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का ऋण (अग्रिम) का विवरण

वर्ष	कुल अग्रिम	पूर्ण सुरक्षित अग्रिम	असुरक्षित ऋण एवं अग्रिम	सुरक्षित अग्रिम का %	असुरक्षित अग्रिम का %
1987	3467.86	2810.24	657.62	81.04	18.96
1988–89	4535.05	4020.67	514.38	88.66	11.34
1989–90	5523.36	5194.08	32928	94.04	5.96
1991–92	5950.37	5738.25	167.12	97.92	2.81
1992–93	5829.94	5656.68	173.26	97.3	2.97
1993–94	6614.26	5717.08	897.18	86.44	13.56

1994–95	8527.97	7461.00	1066.97	87.49	12.51
1995–96	9710.10	8410.683	1303.27	86.58	13.42
1996–97	11361.44	10194.88	1166.56	89.73	10.27
1997–98	12657.27	11298.36	1358.91	89.26	10.74

स्त्रोत: गो.क्षे. ग्रा. बैंक के विभिन्न वर्षो का प्रतिवेदन

तालिका संख्या 11 से स्पष्ट है कि गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के कुल ऋण में क्रमश: वृद्धि हुई है वर्ष 1987 में कुल अग्रिम की राशि 3467.86 लाख रु थी । अगले वर्ष इसमें 1066 लाख रु की वृद्धि हुई और यह राशि 4535 लाख रु हो गयी । अगले वर्ष 89.90 में 989 लाख की वृद्धि हुई । वर्ष 90–91 में मात्रात्मक वृद्धि कम हुई, इस वर्ष वृद्धि 427 लाख रूपए थी । इस प्रकार ऋणों में निरन्तर वृद्धि होती रही है । कुल ऋण में असुरक्षित ऋण का प्रतिशत कम हो रहा है असुरक्षित ऋणों का सार्वधिक भाग वर्ष 1987 में 18.96 प्रतिशत था । उसके बाद इसमें लगातार कमी हुई है ।

तालिका 12

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अग्रिम का विवरण (प्राथमिकता एवं गैर प्राथमिकता क्षेत्र)

वर्ष	कुल अग्रिम	प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम	गैर प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम	प्राथमिकता क्षेत्र का %	गैर प्राथमिकता क्षेत्र का %
1987	3467.86				
1988–89	4535.05				
1989–90	5523.36	5170.74	352.62	93.62	6.38
1991–92	5950.37	5503.27	447.10	92.49	7.51
1992–93	5735.97	5277.08	548.98	92.00	8.00
1993–94	6614.26	5361.08	458.89	92.00	8.00
1994–95	8527.97	6299.27	314.99	95.24	4.76
1995–96	9710.10	6764.83	1763.14	79.33	24.90
1996–97	11361.44	8650.85	2710.58	76.13	23.87
1997–98	12657.27	10896.55	1760.72	86.08	13.92

स्त्रोत : गो. क्षे ग्रा.बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन

तालिका संख्या 12 से ज्ञात होता है कि बैंक ऋण एवं अग्रिम का सार्वधिक अंश प्राथमिकता क्षेत्र में लगा हुआ है परन्तु कुल अग्रिमो में आलोच्य अवधि में प्रतिशत के रूप में कुछ कमी आई है जबकि गेर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रो को ऋण में महत्वपूर्ण वृद्धि दिख रही है प्रतीत होता है बेंक अपनी अग्रिम देने की रणनीति में कुछ परिवर्तन कर रहा है । सार्वजानिक क्षेत्र एवं बैंको में गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का कोष ऋण के रूप में नहीं लगा है । प्राथमिकता क्षेत्र में लगा हुआ अग्रिम 93–94 तक 90 प्रतिशत से अधिक था । 93–94 के बाद प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण का भाग कम हुआ है ।

तालिका 13 ऋण वितरण की प्रक्रिया को और स्पष्ट करती है

तालिका संख्या 13

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा वितरित ऋण का विवरण (लक्ष्य एवं गैर लक्ष्य समूह)

	विवरण	1992–93	1993–94	1994–95	1996–97	1997–98
1	फसली वर्ष	428	728	1162	1095	917
2	कृषि एवं सम्बद्ध क्रिया कलाप	698	661	945	1392	1188
3	उद्योग सेवा व्यवसाय	583	1534	–	–	–
4	ग्रामीण दस्तकार ग्राम उद्योग	–	–	1157	221	258
5	फुटकर व्यवसाय एवं सेवा	–	–	658	1744	1693
6	मांग ऋण एवं अन्य उपभोग ऋण	550	738	945	1201	1343
	योग	**2305**	**3661**	**4867**	**5653**	**5399**

योजनावार ऋण विवरण – (लक्ष्य समूह)

	योजनाए	**1992-93**	**1993-94**	**1994-95**	**1996-97**	**1997-98**
1	फसली ऋण	428	684	880	793	717
2	समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	871	1041	1072	1677	1753
3	निशुल्क बोरिंग	323	107	123	156	60
4	स्पेशल कम्पोनेंट प्लान	62	82	75	114	128
5	बायो गैस	5	5	2	–	18
6	मतस्य पालन	4	3	16	13	19
7	दीन दयाल मिनी डेयरी योजना	6	–	–	–	–
8	डी॰ आई॰ आर॰	3	3	2	65	84
9	ट्रेक्टर	5	‘	269	207	359
10	आकृषि भूमि	5	16	27	–	–
11	अन्य	43	666	725	430	29.82
	योग	**1755**	**2608**	**3191**	**3455**	**3150**

गैर लक्ष्य समूह	1755	2608	3191	3455	3150
फसली ऋण	46	44	282	302	200
कृषि सवधि ऋण	_	48	287	408	393
सेवा उद्योग व्यापार	–	190	468	816	776
परिवहन चालन	–	33	62	–	–
मांग ऋण एवं अन्य	504	738	577	672	880
योग – II	550	1053	1676	2198	2249
योग I+II	2305	3661	4867	5653	5399

तालिका संख्या 14

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के ऋण अतिशेष का विवरण

विवरण	जून	मार्च	जून	मार्च	जून	मार्च	जून	मार्च	जून	मार्च	जून	मार्च
	90	**91**	**92**	**93**	**94**	**95**	**95**	**96**	**96**	**97**	**97**	**98**
वसूली के लिए मांग	3405	340	4636	4636	5103	5103	3992	3992	4892	5673	5673	5673
वसूली	1431	1663	2753	2753	1984	2951	2408	2408	2176	2661	2683	3687
अतिदेय	1974	1742	1883	1883	3119	2152	1584	1584	2716	2231	2990	1986
वसूली	42.02	48.83	59.4	59.4	38.90	57.80	60.32	60.32	44.48	54.39	47.29	65.0
अतिदेय	57.98	51.17	40.6	40.6	61.10	42.20	39.68	39.68	55.52	45.61	52.71	35.00

तालिका संख्या 14 से स्पष्ट है कि गो. क्षे. ग्रा. बैंक में वसूली की स्थिति संतोषजनक नहीं है फिर भी गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सतत प्रयास से वसूली में सुधार हुआ है । वसूली न होने के कुछ प्रमुख कारण है कि क्षेत्र के निरन्तर लाभार्थियो में प्रतीक्षा करने की प्रवृत्ति है तथा लोग ऋण माफ़ किये जाने की सम्भावना को ध्यान में रखते है जो सम्भवत: राजनितिक हस्तक्षेप का परिणाम है । ऋणीयो के एक विशाल समूह ने ऋण अदायगी की प्रक्रिया में कुछ कठिनाईयों का अनुभव किया है जैसे अत्यिधक पारिवारिक खर्च, वित्त पोषित क्रियाकलापों से अपर्याप्त आय, दूसरी परिसंपत्तियों का क्रय किया जाना दुसरे ऋणों की अदायगी कर देना क्रियाकलाप का असफल हो जाना ऋणी और परिवार के सदस्यों की बीमारी स्थानीय नेताओ के प्रभाव एवं दैनिक आपदाये आदि । उपयुक्त कुछ तथ्य गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की वसूली एवं अतिदेय के कारण है ।

तालिका सं. 20

गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का ऋण जमा अनुपात

वर्ष	कुल ऋण अग्रिम	कुल जमा कुल ऋण का कुल	जमा से प्रतिशत
1987	3467.86	7875.72	44.03
1988-89	4535.05	10885.07	41.66
1989-90	5523.36	14611.64	37.80
1990-91	5950.37	17894.73	33.25
1991-92	5736.97	19597.00	29.26
1992-93	5829.94	22598.61	25.79
1993-94	6614.26	27089.55	24.41
1994-95	8527.97	30450.20	28.00
1995-96	9710.10	35316.86	27.49
1996-97	11361.44	41991.05	27.05
1997-98	12657.27	52291.97	24.20

तालिका संख्या 15 दिखाती है की ऋण जमा अनुपात 45 प्रतिशत से घटकर 24 प्रतिशत पे आ गया है संभवता इसके पीछे ऋण की घटती हुई मांग भी महत्वपूर्ण करक हो सकती है

निष्कर्ष उपयुक्त विश्लेषण के आधार पर हम आलोच्य अवधि (1987 -1997) में बैंक की कार्यप्रणाली के अध्यन के आधार पर कह सकते है की बैंक विनियोजनो में अग्रिम का भाग कम हो रहा है और जमाव का हिस्सा बड़ा है इसके पीछे लोगो का बदलता जीवन स्तर और ग्रामीण क्षेत्रों की परिस्थितिया भी जिम्मेदार है वसूली की प्रक्रिया अपेक्षा के अनुरूप न होने से उचंत खाते में ऋण बढ़ रहे है जिससे बेंको की लाभदायकता प्रभावित हो रही है

References & Bibliography :

1. Fawzi, N. S., Kamaluddin, A., Sanusi, Z. M. Monitoring Distressed Companies through Cash Flow Analysis. *Procedia Economics and Finance*, 28, 2015, pp. 136-144.
2. Sudha, D., Kumar, P. V., Rama, K., & Rao, M. (2013). Studies on Growth and Performance of Indian Commercial Banks during Global Economic Recession. IJCEM International Journal of Computational Engineering & Management, 16(6), 39-48. Amity Journal of Finance 39 Volume 3 Issue 1 2018 AJF ADMAA
3. Thakarshibhai, L. C. (2014). A Profitability Analysis of Banks in India. Indian Journal of Research, 3(4), 55-57.
4. Brigham, E., Erhardt, M. Financial management. St. Petersburg: Peter, 2009.
5. Cash flow management: Textbook. Moscow: University textbook: INFRA-M, 2018.
6. Malyadri, P., & S, S. (2015). An Analytical Study on Trends and Progress of Indian banking Industry. Journal of Business & Financial Affairs, 04(01), 1-7.

7. Naser, A. (2014). Financial Performance and Employee Efficiency: A Comparative Study of Indian Banks. Journal of Applied Research, 4(5), 102-104.
8. Yadav, M. (2007). Impact of Non Performing Assets on Profitability and Productivity of Public Sector Banks in India. AFBE Journal, 232-241. Retrieved from http://www.afbe.biz/main/wp-content/uploads/ JournalSplit/AFBEVol4No101.pdf